Mercredi 24 avril 2013

HIN1B08b

(Compréhension de l'écrit)

Cours – 12

1. Donnez l'antonyme des mots suivants

नौकर/मालिक	घटाना /जोड़ना	कुमारी/महिला/कुमार	पूरा/खाली	लोहा / सोना, चाँदी
पुरुष/स्त्री	पीठ/पेट	रात/दिन	नदी/समुद्र,धरती	शीतल/उष्ण
नीचा/ऊँचा	बन्द/खुला	पश्चिम/पूर्व	उदार/कंजूस	जागना/सोना

2. Quel est le sens des mots suivants

खर्च dépense	कंजूस avare	पोटली baluchon	चक्कर tour	लक्ष्मी déesse de richesse	निवास résidence
हिसाब calcul	जायदाद propriété	हाथी éléphant	बाँटनाdistribuer	समस्या problème	सुलझाना démêler
साधू renonçant	दिशा direction	आकाश ciel	केन्द्र centre	जलना être jaloux	योजना plan
नौकर domestique	चाकर employé	मंत्री ministre	डंडा bâton	मटका pot en terre	दवा médicament

3. Que veulent dire les expressions suivantes (10) :

1.	निश्चिंत रहना être rassuré	जाना जाना allées-venues	सतर्क रहना être vigilant
2.	बीमार पड़ना tomber malade	खाली हाथ लौटना rentrer bredouille	रफ़ूचक्कर होना déguerpir
3.	विराजमान होना s'assoir	आज्ञा देना donner l'ordre	अनसुना करना ne pas écouter
4.	शोर मचाना faire du bruit	मस्त रहना être sans soucis	हेकड़ी निकलना perdre son arrogance
5.	चक्रव्यूह में फँसना être pris au piège	निन्यानवे का फेर piège de toujours +	पुष्टि करना confirmer

चतुर खरगोश - पंचतंत्र की कहानियाँ

एक बड़े से जंगल में शेर रहता था। शेर गुस्से का बहुत तेज था। सभी जानवर उससे बहुत डरते थे। वह सभी जानवरों को परेशान करता था। वह आए दिन जंगलों में पशु-पक्षियों का शिकार करता था। शेर की इन हरकतों (activité) से सभी जानवर चिंतित थे।

एक दिन जंगल के सभी जानवरों ने एक सम्मेलन (réunion) रखा। जानवरों ने सोचा शेर की इस रोज-रोज की परेशानी से तो क्यों न हम खुद ही शेर को भोजन ला देते हैं। इससे वह किसी को भी परेशान नहीं करेगा और खुश रहेगा।

सभी जानवरों ने एकसाथ शेर के सामने अपनी बात रखी। इससे शेर बहुत खुश हुआ। उसके बाद शेर ने शिकार करना भी बंद कर दिया।

एक दिन शेर को बहुत जोरों से भूख लग रही थी। एक चतुर खरगोश शेर का खाना लाते-लाते रास्ते में ही रुक गया। फिर थोड़ी देर बाद खरगोश शेर के सामने गया। शेर ने दहाड़ते (rugir) हुए खरगोश से पूछा इतनी देर से क्यों आए? और मेरा खाना कहाँ है?

खरगोश बनावटी (faux) डर से काँपते हुए बोला - 'महाराज, मेरा कोई दोष नहीं है। हम दो खरगोश आपकी सेवा (service) के लिए आए थे। किंतु रास्ते में एक शेर ने हमें रोक लिया। उसने मुझे पकड़ लिया।'

मैंने उससे कहा- 'यदि तुमने मुझे मार दिया तो हमारे राजा तुम पर नाराज होंगे और तुम्हारे प्राण (vie) ले लेंगे।'

उसने पूछा-'कौन है तुम्हारा राजा?' इस पर मैंने आपका नाम बता दिया। यह सुनकर वह शेर क्रोध से भर गया।

वह बोला, 'तुम झूठ बोलते हो।'

इस पर खरगोश ने कहा, 'नहीं, मैं सच कहता हूँ तुम मेरे साथी को बंधक (otage) रख लो। मैं अपने राजा को तुम्हारे पास लेकर आता हूँ।'

खरगोश की बात सुनकर दुर्दांत (indomptable) शेर का क्रोध बढ़ गया। उसने गरजकर कहा, 'चलो, मुझे दिखाओ कि वह दुष्ट कहाँ रहता है?'

खरगोश शेर को लेकर एक कुँए के पास पहुँचा।

खरगोश ने चारों ओर देखा और कहा, महाराज, ऐसा लगता है कि आपको देखकर वह शेर अपने किले में घुस गया।'

शेर ने पूछा, 'कहाँ है उसका किला?' खरगोश ने कुएँ को दिखाकर कहा, 'महाराज, यह है उस शेर का किला।'

खरगोश स्वयं कुएँ की मुँडेर (bord) पर खड़ा हो गया। शेर भी मुँडेर पर चढ़ गया। दोनों की परछाई ombre कुएँ के पानी में दिखाई देने लगी।

खरगोश ने शेर से कहा, 'महाराज, देखिए। वह रहा मेरा साथी खरगोश। उसके पास आपका शत्रु ennemi खड़ा है।'

शेर ने दोनों को देखा। उसने भीषण गर्जन किया। उसकी गूँज कुएँ से बाहर आई। बस, फिर क्या था! देखते ही देखते शेर ने अपने शत्रु को पकड़ने के लिए कुएँ में छलाँग लगा दी और वहीं डूबकर मर गया।इस प्रकार जंगल के अन्य जानवरों को उससे मुक्ति मिली और खरगोश की सबने खूब सराहना की।

4. Répondez aux questions suivantes en FRANÇAIS:

Pourquoi les animaux faisaient-ils du souci ?

Quelle solution les animaux ont-ils trouvé ?

Quelle excuse le lapin a trouvé pour venir en retard ?

Pourquoi le lapin a-t-il dit qu'ils étaient deux lapins?

Le lion, qu'a-t-il vu dans le puits ?

Qu'a-t-il fait ensuite ?

Pourquoi les animaux ont-ils fait l'éloge du lapin ?

Quelles sont les qualités que le lapin a montrées